Toppersnotes®
Unleash the topper in you

MP-POLICE

सब-इंस्पेक्टर

MADHYA PRADESH PROFESSIONAL EXAMINATION BOARD

NON - TECHNICAL

भाग – 5

मध्य प्रदेश का सामान्य अध्ययन

SIERRA INNOVATIONS

MP – SUB INSPECTOR

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ सं.
	मध्यप्रदेश का सामान्य ज्ञान	
1.	**मध्यप्रदेश का गठन**	**1**
2.	**राज्य का परिचय**	**3**
3.	**मध्यप्रदेश के भौतिक विभाग**	**9**
4.	**मध्यप्रदेश की नदी और जल निकासी प्रणाली**	**15**
5.	**मध्यप्रदेश में जलवायु, मौसम औसत वर्षा**	**29**
6.	**मध्यप्रदेश की मिट्टी**	**31**
7.	**मध्यप्रदेश के प्राकृतिक और खनिज संसाधन**	**32**
8.	**मध्यप्रदश में वन एवं वन्य जीव संरक्षण**	**38**
9.	**मध्यप्रदेश में कृषि**	**49**
10.	**मध्यप्रदेश के उद्योग**	**53**
11.	**मध्यप्रदेश में परिवहन एवं संचार**	**57**
12.	**मध्यप्रदश में राजनैतिक व्यवस्था** ● राज्यपाल, मुख्यमंत्री, विधानसभाध्यक्ष ● राज्य मानवाधिकार आयोग, लोकायुक्त एवं उपलोकायुक्त ● राज्य वित्त आयोग, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ● मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश का प्रशासनिक ढाँचा	**56**
13.	**मध्यप्रदेश का इतिहास** ● प्राचीन काल ● मध्य काल ● आधुनिक काल	**78** 78 85 101
14.	**1857 का विद्रोह**	**104**
15.	**स्वतंत्रता आंदोलन में मध्यप्रदेश का योगदान**	**115**
16.	**मध्यप्रदेश के सांस्कृतिक पहलू**	**119**

17.	**मध्यप्रदेश के व्यक्तित्व** ● संगीतकार ● साहित्यकार ● लोक लेखक ● कलाकार/नाटककार	**124** 125 125 127 129
18.	**मध्यप्रदेश की लोक चित्रकला**	**133**
19.	**मध्यप्रदेश के मेले और त्योहार**	**134**
20.	**मध्यप्रदेश की वास्तुकला**	**139**
21.	**मध्यप्रदेश की बोलियाँ**	**141**
22.	**मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियाँ**	**143**
23.	**मध्यप्रदेश में पर्यटन स्थल**	**148**

प्रिय विद्यार्थी, टॉपर्सनोट्स चुनने के लिए धन्यवाद।

नोट्स में दिए गए QR कोड्स को स्कैन करने लिए टॉपर्स नोट्स ऐप डाउनलोड करे ।

ऐप डाउनलोड करने के लिए दिशा निर्देश देखे :-

ऐप इनस्टॉल करने के लिए आप अपने मोबाइल फ़ोन के कैमरा से या गूगल लेंस से QR स्कैन करें।

टॉपर्सनोट्स एग्जाम प्रिपरेशन ऐप

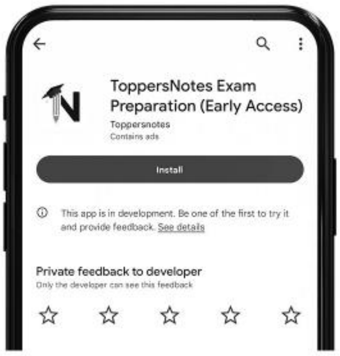

टॉपर्सनोट्स ऐप डाउनलोड करें गूगल प्ले स्टोर से ।

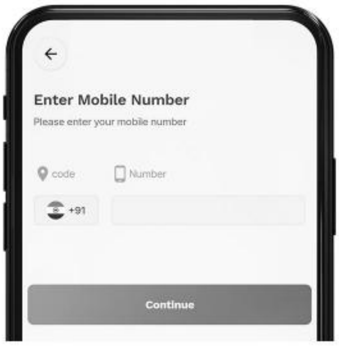

लॉग इन करने के लिए अपना **मोबाइल नंबर** दर्ज करें।

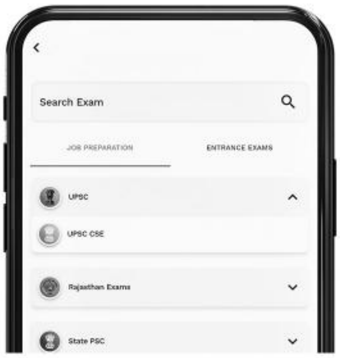

अपनी **परीक्षा श्रेणी** चुनें।

सर्च बटन पर क्लिक करें।

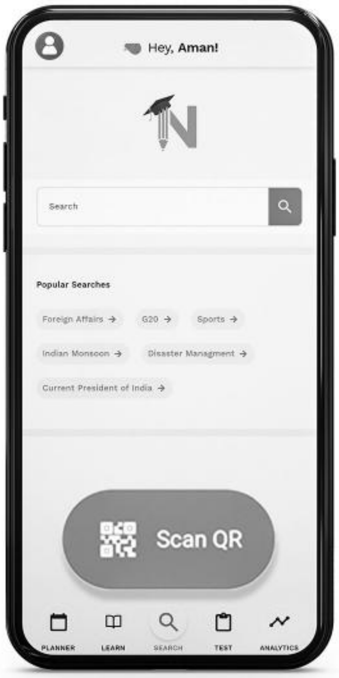

SCAN QR पर क्लिक करें।

किताब के **QR कोड को स्कैन** करें।

- सोल्युशन वीडियो
- डाउट वीडियो
- कॉन्सेप्ट वीडियो

- अतिरिक्त पाठ्य-सामग्री

- विषयवार अभ्यास
- कमजोर टॉपिक विश्लेषण

- रैंक प्रेडिक्टर
- टेस्ट प्रैक्टिस

किसी भी तकनीकी सहायता के लिए
hello@toppersnotes.com पर मेल करें
या **766 56 41122** पर whatsapp करें।

मध्यप्रदेश राज्य का गठन

- भारत का हृदय प्रदेश कहा जाने वाला मध्य प्रदेश भारत का एक भू-आवेष्ठित राज्य है। मध्य प्रदेश का वर्तमान स्वरूप, जो आज हमें दिखाई देता है, वह एक लम्बी प्रक्रिया का परिणाम है। ब्रिटिशकाल मं मध्यप्रदेश का स्वरूप पूर्णतः पृथक था। स्वतंत्रता पूर्व मध्यप्रदेश वर्तमान स्वरूप में न होकर अलग-अलग प्रांतों तथा रियासतों में विभक्त था। इन रियासतों में सबसे प्रमुख रियासत सेन्ट्रल प्रोविन्स एण्ड बरार थी, जिसकी राजधानी नागपुर थी। इसके अतिरिक्त कुछ अन्य रियासतें थी, जैसे- पूर्व में बघेलखण्ड, छत्तीसगढ व दण्डकारण्य रियासतें, पश्चिम में मध्य भारत उत्तर में विन्ध्यप्रदेश तथा मध्य में महाकौशल तथा भोपाल की रियासतें।
- स्वतंत्रता के पश्चात् आधुनिक मध्यप्रदेश के निर्माण के क्रम में इसके स्वरूप में कई परिवर्तन किए गए। सर्वप्रथम सेन्ट्रल प्रोविन्स एण्ड बरार, बघेलखण्ड, छत्तीसगढ तथा दण्डकारण्य की रियासतों को मिलाकर 'पार्ट ए स्टेट' बनाया तथा इसकी राजधानी नागपुर रखी गई। मध्य भारत को ' पार्ट बी स्टेट' का दर्जा दिया गया तथा इसकी राजधानी ग्वालियर एवं इन्दौर बनाई गई। इसके अतिरिक्त विन्ध्यप्रान्त को 'पार्ट-सी' का दर्जा देकर इसकी राजधानी रीवा को बनाया गया। भोपाल को एक स्वतंत्र प्रांत बनाकर 'पार्ट-सी' स्टेट के अन्तर्गत ही रखा गया। यह विभाजन भौगोलिक आधार पर किया गया था, न कि भाषागत् या क्षेत्रीय पर।
- 20 दिसम्बर 1953 ई. में फजल अली की अध्यक्षता में राज्य पुनर्गठन आयोग की स्थापना की गई तथा हृदय नाथ कुजरू एवं के. एस. पणिक्कर इसके सदस्य थे, जिन्होंने अपनी रिपोर्ट 1955 को सौंपी, रिपोर्ट में भारत में 14 राज्य व 6 केन्द्र शासित प्रदेशों के गठन की अनुशंसा की। आयोग की अनुशंसा पर 1 नवम्बर 1956 ई. को भाषायी आधार पर मध्यप्रदेश की गठन की अनुशंसा की। आयोग की अनुशंसा पर मध्यप्रदेश के गठन हेतु निम्नलिखित परिवर्तन किए गए-
  - सर्वप्रथम पार्ट 'ए' स्टेट के 8 जिलों को महाराष्ट्र राज्य को देकर पार्ट ए की शेष 15 रियासतों को मध्य प्रदेश में मिला लिया गया। ये मराठी भाषायी 8 जिले बुल्ढाना, वर्धा, भण्डारा, अमरावती, अकोला, चाँदा, यवतमाला तथा नागपुर थे।
  - पार्ट 'बी' को कुछ परिवर्तनों के साथ मध्य प्रदेश में मिलाया गया, जिनमें कुल 26 रियासतें थी। इन परिवर्तनों में सर्वप्रथम मन्दसौर जिले की मानपुरा तहसील का सुनेल टप्पा राजस्थान को दिया गया, जबकि कोटा जिले की सिरोंज तहसील को मध्य प्रदेश के विदिशा में मिलाया गया।
  - पार्ट 'सी' स्टेट को भोपाल रियासत सहित मध्य प्रदेश में मिला लिया गया, जिनमें कुल 38 रियासतें थी।
  - इस प्रकार पार्ट- ए, पार्ट-बी, पार्ट-सी क्रमशः 15, 26 एवं 38 रियासतों को मिलाकर (कुल 79) मध्य प्रदेश का गठन किया गया।
- इस सम्पूर्ण प्रक्रिया के पश्चात् 1 नवम्बर, 1956 को मध्य प्रदेश का गठन पूर्ण हुआ तथा इसकी राजधानी भोपाल रखी गई। यहाँ उल्लेखनीय है कि भोपाल तत्कालीन समय में स्वतंत्र जिला न होकर सीहोर जिले की तहसील था। 1 नवम्बर, 1956 ई. को जिस मध्य प्रदेश का निर्माण हुआ, उसमें 8 संभाग और 43 जिले थे। इस नवनिर्मित मध्य प्रदेश के प्रथम राज्यपाल पट्टाभि सीतारमैया को तथा मुख्यमंत्री पं. रविशंकर शुक्ला को बनाया गया।

मध्य प्रदेश के जिलों का पुनर्गठन

- 1947 में भारत की आजादी के बाद, 26 जनवरी, 1950 के दिन भारतीय गणराज्य के गठन के साथ सैकडों रियासतों का संघ में विलय किया गया था। राज्यों के पुनर्गठन के साथ सीमाओं को तर्कसंगत बनाया गया। 1950 में पूर्व ब्रिटिश केंद्रीय प्रांत और बरार, मकाराई के राजसी राज्य और छत्तीसगढ मिलाकर मध्यप्रदेश का निर्माण हुआ तथा नागपुर को राजधानी बनाया गया। सेंट्रल इंडिया एजेंसी द्वारा मध्य भारत, विंध्य प्रदेश और भोपाल जैसे नए राज्यों का गठन किया गया। राज्यों के पुनर्गठन के परिणाम स्वरूप 1956 में, मध्य भारत, विंध्य प्रदेश और भोपाल राज्यों को मध्यप्रदेश में विलीन कर दिया गया, तत्कालीन सी.पी. और बरार कुछ जिलों को महाराष्ट्र में स्थानांतरित कर दिया गया तथा राजस्थान, गुजरात और उत्तर प्रदेश में मामूली समायोजन किए गए। फिर भोपाल राज्य की नई राजधानी बन गया। शुरू में राज्य के 43 जिले थे। इसके बाद, वर्ष 1972 में दो बडे जिलों का बंटवारा किया गया, सीहोर से भोपाल और दुर्ग से राजनांदगांव अलग किया गया। तब जिलों की कुल संख्या 45 हो

गई। वर्ष 1998 में, बडे जिलों से 16 अधिक जिले बनाए गए और जिलों की संख्या 61 बन गई। नवंबर 2000 में, राज्य का दक्षिण-पूर्वी हिस्सा विभाजित कर छत्तीसगढ का नया राज्य बना। इस प्रकार, वर्तमान मध्यप्रदेश राज्य अस्तित्व में आया, जो देश का दूसरा सबसे बडा राज्य है और जो 308 लाख हेक्टेयर भौगोलिक क्षेत्र पर फैला हुआ है।

- सन् 1982 में बी.आर.दुबे की अध्यक्षता में जिला पुनर्गठन आयोग की स्थापना की गई, जिनकी अनुशंसा को पटवा सरकार ने 1989-90 में अनुमोदन प्रदान किया, लेकिन यह लागू नहीं हो सका ।
- दिग्विजय सिंह सरकार ने 25 मई, 1998 को अधिसूचना जारी कर 10 नये जिलां का गठन कर दिया । ये जिले इस तरह बने ।
    1. बडवानी (खरगोन)
    2. श्योपुर (मुरैना)
    3. डिंडोरी- (मण्डला)
    4. कटनी (जबलपुर)
    5. कोरिया (सरगुजा)
    6. जशपुर (रायगढ)
    7. कोरबा (बिलासपुर)
    8. जाँजगीर चाँपा (बिलापुर)
    9. काकेर (बस्तर)
    10. दन्तेवाडा (बस्तर)
- इन दस जिलों के निर्माण के बावजूद क्षेत्रीय विवाद की समस्या का समाधान नहीं हो सका, जिसके कारण सिंहदेव कमेटी का गठन किया गया जिसकी अनुशंसा पर 10 जून, 1998 को 6 और नये जिले गठित किये गये, जो इस प्रकार है-
    1. उमरिया शहडोल)
    2. हरदा (होशंगाबाद)
    3. नीमच (मंदसौर)

    } 3 जिले

    4. महासमुन्द (रायपुर)
    5. धमतरी (रायपुर)
    6. राजनांदगाँव (कवर्धा)

    } 3 जिले
- इस प्रकार प्रदेश में जिलों की संख्या 61 हो गई ।
- वर्तमान में 52 जिले है ।

मध्यप्रदेश के संभाग (Division)

1. भोपाल - भोपाल, रायसेन, राजगढ, सीहोर, विदिशा (5)
2. चम्बल - श्योपुर, मुरैना, भिंड (3)
3. ग्वालियर - ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, दतिया, अशोक नगर (5)
4. इन्दौर - अलीराजपुर, बडवानी, बुरहानपुर, धार, इन्दौर, झाबुआ, खण्डवा, खरगोन (8)
5. जबलपुर - जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, सिवनी, छिन्दवाडा, मंडला, बालाघाट, डिंडोरी (8)
6. नर्मदापुरम - होशंगाबाद, बैतूल, हरदा (3)
7. रीवा - रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली (4)
8. सागर - सागर, छतरपुर, दमोह, टीकमगढ, पन्ना, निवारी (6)
9. शहडोल - शहडोल, उमरिया, अनूपपुर (3)
   उज्जैन - उज्जैन, देवास, आगर-मालवा, शाजापुर, रतलाम, मंदसौर, नीमच (7)

मध्यप्रदेश का विभाजन एवं छत्तीसगढ का गठन

- जुलाई 2000 में भारतीय संसद में छत्तीसगढ गठन विधयेक पारित किया गया, जिसे अगस्त 2000 में मध्यप्रदेश विधानसभा के द्वारा अनुमोदन (स्वीकृति) किया गया और 31 अक्टूबर 2000 को धान का कटोरा कहे जाने वाला छत्तीसगढ अंचल मध्यप्रदेश से पृथक् कर दिया गया 1,35,994 वर्ग किमी. क्षेत्रफल छत्तीसगढ राज्य में चला गया 3 संभाग एवं 16 जिले छ.ग. राज्य में चले गये जिससे प्रदेश में जिलों की संख्या 45 रह गई ।
- तृतीय जिला पुनर्गठन कमेटी (बोस कमेटी) की अनुशंसा पर मध्यप्रदेश में 15 अगस्त 2003 को तीन नये जिले निर्मित किये गये ।
    1. अनूपपुर - शहडोल
    2. अशोकनगर-गुना
    3. बुरहानपुर - खण्डवा
- इस तरह मध्यप्रदेश में कुल जिलों की संख्या 48 हो गयी। 17 मई 2008 को झाबुआ से अलीराजपुर को जिला बनाया गया तथा 24 मई 2008 को सीधी जिले से सिंगरौली को जिला बनाया गया इस तरह कुल जिलों की संख्या 50 हो गयी ।
- 16 अगस्त 2013 को शाजापुर जिले से आगर-मालवा को जिला बनाया गया आगर-मालवा में आगर, सुसनेर, नलखेडा, बडौद इन चारों तहसीलों को मिलाकर आगर-मालवा को जिला बनाया गया ।
- 01 अक्टूबर 2018 को टीकमगढ जिले से निवाडी को प्रदेश का 52 वाँ जिला बनाया गया जिसमें निवाडी, पृथ्वीपुर एवं ओरछा तहसील शामिल की गई ।

मध्यप्रदेश राज्य का परिचय

- स्थापना :- 1 नवम्बर, 1956
- पुनर्गठनः- 1 नवम्बर, 2000 ई.

मध्य प्रदेश के सीमांत बिन्दु

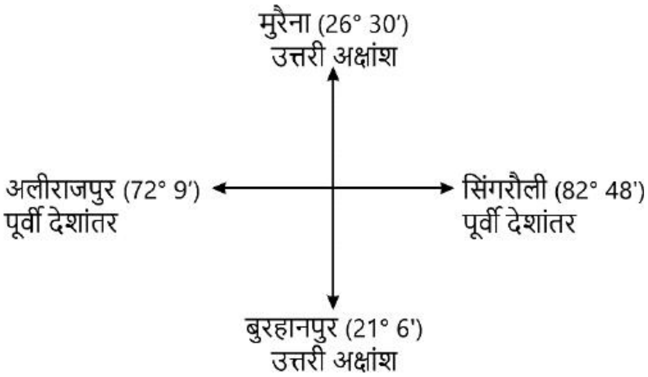

मध्यप्रदेश : सीमावर्ती राज्य एवं जिले

क्र. सं.	सीमावर्ती राज्य	सीमावर्ती जिले **(MP)**	सीमार्ती जिले **(UP)**
1	उत्तर प्रदेश (उत्तर में)	सिंगरौली, सागर, गुना, दतिया, शिवपुरी, सीधी, रीवा, सतना, पन्ना, छत्तरपुर, भिण्ड, टीकमगढ, निवाडी (13)	आगरा, ईटावा, झाँसी, बाँदा, ललितपुर, हमीरपुर, इलाहाबाद, मिर्जापुर, सोनभद्र, उरई
2	राजस्थान (उत्तर-पश्चिम में)	मुरैना, शिवपुरी, गुना, आगर-मालवा, राजगढ, नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ, श्योपुर (10)	बाँसवाडा, चित्तौडगढ, बारां, झालावाड, धौलपुर, कोटा, सवाई माधोपुर
3	महाराष्ट्र (दक्षिण में)	खरगौन, बडवानी, बैतूल, खण्डवा, छिंदवाडा, सिवनी, बालाघाट, अलीराजपुर, बुरहानपुर (9)	धुले, भुसावल, अमरावती, नागपुर, भण्डारा
4	छत्तीसगढ (दक्षिण-पूर्व में)	सीधी, शहडोल, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, अनूपपुर, सिंगरौली (7)	सरगुजा, बिलासपुर, दुर्ग
5	गुजरात (पश्चिम में)	झाबुआ, अलीराजपुर (2)	वडोदरा

- क्षेत्रफल - 3,08, 252 वर्ग किमी.
- विस्तार - पूर्व से पश्चिम- 870 किमी. एवं उत्तर से दक्षिण - 605 किमी.
- राजधानी - भोपाल
- मुख्य भाषा - हिन्दी
- कुल जनसंख्या - 7,26,26,809
- पुरूष - 3,76,12,306
- महिला - 3,50,14,503
- जनसंख्या वृद्धि दरः- 20.30% (दशकीय)
- जनसंख्या घनत्वः- 236 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.
- लिंगानुपात - 931 (प्रति हजार)
- साक्षरता - 69.3%
- अनुसूचित जनजातियों की कुल जनसंख्याः- 1,53,16,784
  - पुरूष - 77,19,404
  - महिला - 75,97,380
- कुल जनसंख्या में अनुसूचित जनजातियों का प्रतिशत - 21.09 प्रतिशत
- अनुसूचित जातियों की कुल जनसंख्या -1,13,42,320
  - पुरूष - 59,08,638
  - महिला - 54,33,682
- कुल जनसंख्या में अनुसूचित जनजातियों का प्रतिशतः- 15.6 प्रतिशत
- कार्य सहभागिता दर 43.5%
- कुल संभाव - 10
- कुल जिले - 52
- कुल नगर - 394
- ग्राम पंचायत - 23006
- कुल नगर निगम - 16
- कुल नगर पालिकाएंः- 99

- कुल नगर पंचायतः- 293
- जनपद पंचायतः- 313
- जनपद पंचायत सदस्यः- 6816
- जिला पंचायतः- 52
- कुल ग्रामः- 55,393
- आबाद ग्रामः- 54,903
- सबसे छोटी तहसील (जनसंख्या):- रौन (भिण्ड)
- सबसे बडी तहसील (जनसंख्या):- इन्दौर
- सबसे बडी तहसील (क्षेत्रफल):- मण्डला
- सबसे छोटी तहसील (क्षेत्रफल):- अजयगढ (पन्ना)
- सबसे बडा जिला (जनसंख्या):- इन्दौर
- सबसे छोटा जिला (जनसंख्या):- निवाडी
- सबसे बडा संभाग (क्षेत्रफल):- जबलपुर
- सबसे छोटा संभाग (क्षेत्रफल):- शहडोल
- सबसे घनी आबादी वाली तहसीलः- इन्दौर
- सबसे बडा नगर :- इन्दौर
- सबसे घनी आबादी वाला जिलाः- भोपाल (854)
- सबसे बडा जिला (क्षेत्रफल):- छिन्दवाडा
- सबसे छोटा जिला (क्षेत्रफल):- निवाडी
- राजभाषा :- हिन्दी
- अन्य भाषायें :- उर्दू एवं अन्य क्षेत्रीय भाषायें
- प्रमुख धर्म :- हिन्दू
- उच्च न्यायालय :- जबलपुर (इन्दौर व ग्वालियर में खण्डपीठ)
- राजकीय पशु :- बारहसिंगा
- राजकीय वृक्ष :- बरगद
- राजकीय पक्षी :- दूधराज
- राजकीय पुष्प :- सफेद लिली
- राजकीय खेल :- मलखम्ब
- राजकीय मछली :- महाशीर

• मानवाधिकार आयोग गठित करने तथा मानव विकास रिपोर्ट पेश करने के मामले में देश में मध्यप्रदेश राज्य का क्रम स्थान	प्रथम
• राज्य के प्रत्येक जिले में उद्योग स्थापित करने के मामले में मध्यप्रदेश का स्थान	दूसरा (प्रथम पश्चिम बंगाल)
• विशेष क्षेत्र प्राधिकरण स्थापित करने के मामले में देश में राज्य का स्थान	प्रथम
• जिला सरकार की अवधारणा अपनाने के मामले में राज्य का स्थान	प्रथम
• ग्राम स्वराज व्यवस्था लागू करने के मामले में राज्य का क्रम स्थान	प्रथम
• 20 सूत्री कार्यक्रम लागू करने के मामले में राज्य का क्रम स्थान	प्रथम
• 73 वें संविधान संशोधन के तहत वर्ष 1993 में पंचायती राज लागू करने के मामले में राज्य का स्थान	प्रथम
• पंचायत चुनावों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने के मामले में देश में राज्य का स्थान	प्रथम
• हिन्दी भाषा में गजेटियर प्रकाशित करने वाला देश का राज्य	प्रथम
• हीरे के उत्पादन में मध्यप्रदेश का स्थान	प्रथम
• मैंगनीज उत्पादन में मध्यप्रदेश का स्थान	दूसरा
• ताँबा के उत्पादन में मध्यप्रदेश का स्थान	प्रथम
• देश की सबसे बडी मस्जिद प्रांगण	ताजुल मस्जिद (भोपाल)
• भारत का प्रथम ऑप्टिकल फाइबर कारखाना लगभग 200 करोड रूपए की अनुमानित लागत से राज्य के जिस स्थल पर 'नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ डिजाइन' की स्थापना की जानी है, वह है।	मण्डीदीप (रायसेन)
• अंतर्राष्ट्रीय बोरलॉग कृषि शोध (रिसर्च) संस्थान की स्थापना की जा रही है।	जबलपुर
• राज्य के 52 जिला पंचायतों के अध्यक्षों के लिए सम्पन्न आरक्षण कार्यवाही महिलाओं के लिए	25

निर्धारित किए गए आरक्षित स्थान हैं ।	
• अक्टूबर 2004 तक देश में	प्रथम
• राज्य का प्रथम पर्यटन केन्द्र	शिवपुरी
• भारत का प्रथम रत्न परिष्करण केन्द्र	जबलपुर में
• देश का प्रथम 'आपदा प्रबन्धन संस्थान'	भोपाल में
• सूती वस्त्र के उत्पादन मे राज्य का क्रम स्थान	तीसरा (महाराष्ट्र व गुजरात क्रमशः प्रथम द्वितीय)
• देश में प्रथम आदिवासी शोध संचार केन्द्र	झाबुआ
• राज्य निर्वाचन आयोग का गठन हुआ	15 फरवरी 1994 को
• भारत-भवन स्थित है	भोपाल
• राज्य में पाया जाने वाला सर्वाधिक वन वृक्ष	सागौन (17.8 प्रतिशत)
• राज्य का सबसे बडा रेलवे जंक्शन	इटारसी (होशंगाबाद)
• राज्य का सबसे लम्बा पुलः-	महानदी पुल (तवा नदी पर होशंगाबाद के नजदीक 1322. 56मीटर)
• देश का प्रथम सौर चालित टेलीफोन एक्सचेन्ज	आयोलपाटा (शिवपुरी)
• देश का प्रथम राष्ट्रीय युवा महोत्सव का स्थल है।	भोपाल (जनवरी 1995)
• राज्य में सर्वप्रथम नगरपालिका स्थापित हुई	दातिया में (1907 में)
• भोपाल गैस काण्ड घटित हुआ	2 दिसम्बर की रात, 1984
• भारत का जिब्राल्टर उपनाम है।	ग्वालियर किले का

• राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया गया	3 बार
• राज्य की प्रथम किन्नर महापौर	कमला बुआ (सागर)
• राज्य में सर्वाधिक ताँबे की खान	बालाघाट में
• राज्य का प्रथम हाइवे एक्सप्रेस मार्ग	इन्दौर-भोपाल
• सतना का मझगवाँ संबंधित है	हीरे के खान से
• राज्य में सर्वाधिक प्रसार वाला समाचार पत्र	दैनिक भास्कर
• राज्य का पहला सैलरिच जैविक खाद्य संयन्त्र स्थापित है	भोपाल में (कृषि उद्योग विकास निगम)
• रिलायन्स समूह द्वारा अल्ट्रा मेगा प्रोजेक्ट राज्य के जिस जिले में स्थापित की जानी है, वह है	(सॉसन) सिंगरौली
• राज्य का सबसे बडा शक्कर कारखाना बरलाई	सीहोर
• सहकारी क्षेत्र का सबसे बडा शक्कर कारखाना	बरलई
• राज्य का एकमात्र वेधशाला स्थल	इन्दौर में
• एशिया की सबसे बडी भूमिगत मैगनीज खदान स्थित है	भर्वेली (बालाघाट)
• देश का एकमात्र विकलांग पुनर्वास केन्द्र	जबलपुर
• राज्य का एकमात्र सैनिक अड्डा	महाराजपुर (ग्वालियर)
• राज्य की सबसे बडी जनजाति	भील
• देश का पहला सोयाबीन वायदा बाजार	इन्दौर में
• राज्य की ऊर्जा राजधानी	बैढन (सिंगरौली)
• देश में सर्वाधिक फेल्सपार पाया जाने वाला राज्य का जिला	जबलपुर
• राज्य में चन्देरी की साडियों का निर्मित करने वाला जिला	अशोकनगर

• राज्य सरकार द्वारा ललित कला क्षेत्र में दी जाने वाला जिला	अमृता शेरगिल फैलोशिप
• राज्य में 'झीलों का शहर' उपनाम से नामित जिला	भोपाल
• राज्य में बाबा शहाबुद्दीन औलिया के नाम पर उर्स आयोजित करने वाला जिला	नीमच
• मध्यप्रदेश की जनजाति को आदिवासी नाम से सुशोभित करने वाला व्यक्ति	ठक्कर बापा
• सबसे कम समय तक रहने वाले राज्य के मुख्यमंत्री	अर्जुन सिंह (11 मार्च 1985 से 12 मार्च 1985 मुख्यमंत्री एक दिन)

- शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से दो राज्य :- उज्जैन (महाकालेश्वर का प्रसिद्ध शिवमंदिर) के जिले में स्थित ओंकारेश्वर (ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग शिव मंदिर) जिला खण्डवा
- राज्य का सर्वाधिक ठण्डा स्थलः- पचमढ़ी
- यूरेनियम खनिज पाया जाने वाला राज्य का एकमात्र जिला :- शहडोल
- राज्य में बैंक नोट प्रेस है :- देवास में
- राज्य में न्यूज़ प्रिन्ट मिल है :- नेपानगर (बुरहानपुर)
- राज्य में सिक्योरिटी पेपर मिल हैः- होशंगाबाद में
- राज्य में भारत की हैवी इलेक्ट्रिकल की औद्योगिक इकाई है :- भोपाल में
- राज्य में मानसिक चिकित्सा संस्थान है :- ग्वालियर एवं इन्दौर में
- राज्य में कैन्सर चिकित्सा संस्थान है :- ग्वालियर, इन्दौरी व जबलपुर में
- राज्य में अनुसूचित जातियों में सर्वाधिक संख्या है :- चमार (जाटव) की
- राज्य में गोण्ड जनजातियों का क्षेत्र है :- पूर्वी मध्यप्रदेश (नर्मदा तटीय क्षेत्र एवं सतपुडा वनीय अंचल)
- राज्य में पंचायती योजना की शुरूआत की गयीः- वर्ष 1976 में
- विश्वामित्र पुरस्कार दिया जाता हैः- खेलों में प्रशिक्षकों को सराहनीय कार्य हेतु
- राज्य में प्रथम वायु फार्म स्थापित स्थल हैः- जामगोदरानी गाँव जिला- देवास (26 जुलाई 1995)
- राज्य को नारू रोग से मुक्त राज्य घोषित किया गयाः- **W.H.O** द्वारा वर्ष 1984 में
- राज्य की प्रथम किन्नर विधायक :- शबनम मौसी, (अनूपपुर जिला, क्षेत्र सोहागपुर, निर्दलीय)
- मध्यप्रदेश उत्सव का आयोजन होता हैः- दिल्ली में
- राज्य में विधि संस्थान की स्थापना की गयी हैः- भोपाल में
- राज्य का विधानसभा भवन जाना जाता हैः- 'इंदिरा गाँधी विधानसभा' के नाम से
- सहरिया जनजाति के लोग मुख्यतः राज्य के जिन संभागों में पाये जाते है, वे हैः- चम्बल, ग्वालियर
- मध्यप्रदेश पुनर्गठन आयोग के अध्यक्ष थेः- फजल अली
- राज्य में निम्न पशुधन की संख्या सर्वाधिक हैः- गाय
- राज्य में अन्त्योदय योजना की शुरूआत की गयीः- ईटखेडी गाँव
- राज्य में अन्त्योदय योजना की शुरूआत की गयीः- ईटखेडी गाँव (भोपाल से)
- राज्य में अन्य वायु फार्म स्थापित होने प्रस्तावित हैः- धार व बैतूल में
- यू.एन.ओ. द्वारा वर्ष 1993 को घोषित किया गया थाः- आदिवासी व समीपवर्ती समूहों का वर्ष
- प्रदेश में एच.बी.जे गैस का आधारीत पैट्रोकेमिकल्स कॉम्पलैक्स तथा नाइट्रोजन खाद संयंत्र स्थापित किया गया :- विजयनगर (गुना)
- राज्य के प्रमुख लोक नाट्य हैः- माच (मालवा), स्वांग (बुंदेलखण्ड), छाहूर (बघेलखण्ड), काठी (निमाड)
- 15-17 दिसम्बर, 1993 तक आदिवासी और समीपवर्ती समूहों का अंतर्राष्ट्रीय समारोह 'चरैवति' का आयोजन किया गया :- भोपाल स्थित इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मानव
- तरूण भादुडी पुरस्कार दिया जाता हैः- पत्रकारिता से
- नगरीय अपशिष्ट से बहु उपयोगी जैविक खाद बनाने का संयंत्र स्थापित किया गया हैः- ग्वालियर में

- राज्य में भोपाल स्थित रवीन्द्र भवन प्रसिद्ध हैः- एक विशाल सभागृह के लिए
- मध्यप्रदेश शासन प्रशिक्षण अकादमी का नया नाम हैः- आर.सी.वी. नरोन्हा प्रशासनिक, अकादमी भोपाल, मध्यप्रदेश
- संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (**UNDP**) की पहल पर राज्य में टेक्नालॉजी रिसोर्स सेन्टर की स्थापना केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा प्रथम चरण में जिन स्थलों पर की जा रही हैः- मनासा (नीमच), निवाडी (टीकमगढ), केसला (होशंगाबाद), तामिया (छिन्दवाडा) व सारंगपुर (राजगढ)
- पर्यटन को बढावा देने के लिए लंदन में विश्व पर्यटन मेले के दौरान वर्ल्ड टूरिज्म काउन्सिल के साथ समझौता करने के संबंध में देश में राज्य की स्थिति हैः- तृतीय
- जैन समुदाय को धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय घोषित करने के मामले में देश क राज्य की स्थिति :- प्रथम
- राज्य के जिस जिले मे इण्डिन इन्स्टीट्यूट ऑफ इन्फोरमेशन टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेन्ट है :- ग्वालियर
- राज्य के किस जिले में विश्व बैंक की सहायता से माइक्रा अर्थक्वेक रिकार्डर लगाया जा रहा हैः- खण्डवा में
- राज्य मे सर्वाधिक समय तक रहने वाले मुख्यमंत्री :- श्री शिवराजसिंह चौहान
- राज्य मे सर्वाधिक समय तक रहने वाले राज्यपाल :- श्री हरिविनायक पाटस्कर
- राज्य में सबसे कम समय तक रहने वाले राज्यपाल - डॉ. वी. पट्टाभि सीतारमैया

मध्यप्रदेश के प्रसिद्ध नगर व स्थलों के उपनाम

नाम	उपनाम
जबलपुर	संगमरमर नगर
भेडाघाट (जिला जबलपुर)	संगमरमर की चट्टान
भिंड-मुरैना	बागियों का गढ
उज्जैन	मंदिरों, मूर्तियों का नगर
उज्जैन	महाकाल की नगरी
उज्जैन	मंगल ग्रह की जन्मभूमि
उज्जैन	पवित्र नगर
खजुराहो (जिला छतरपुर)	शिल्पकला का तीर्थ
भीम बैठका (जिला रायसेन)	शैल चित्रकला
साँची (जिला रायसेन)	बौद्ध जगत की पवित्र नगरी
इंदौर	मिनी मुम्बई
इंदौर	अहिल्या नगरी
इंदौर	कपडों का शहर
शिप्रा (जिला इंदौर)	मालवा की गंगा
सिवनी	मध्यप्रदेश का लखनऊ
बालाघाट	मैंगनीज नगरी
कटनी	चूना नगरी
मांडू (जिला धार)	आनंद नगरी (सिटी ऑफ जॉय)
मांडू (जिला धार)	महलों की नगरी
पीथमपुर (जिला धार)	भारत का डेट्राइट
मालवा	गेहूँ का भंडार
ग्वालियर	तानसेन की नगरी
मैहर	संगीत नगरी
चित्रकूट (जिला सतना)	श्रीराम तीर्थस्थली
ओरछा (जिला टीकमगढ)	अयोध्या नगरी
भोपाल	झीलों की नगरी
पचमढी (जिला होशंगाबाद)	पर्यटकों का स्वर्ग
ग्वालियर	पूर्व का जिब्राल्टर
बुरहानपुर	गँजेडियों का स्वर्ग
खंडवा- खरगोन	सुनहरे जिले
बेतवा	मध्यप्रदेश की गंगा
रीवा	सफेद शेर की भूमि
धार	भोज नगरी

मध्यप्रदेश के नगरों के प्राचीन या पुराने नाम और नवीन (वर्तमान) नाम

प्राचीन या पुराने नाम	नवीन (वर्तमान) नाम
बुद्ध निवासिनी	बुधनी (जिला सीहोर)
भाबरा (झाबुआ)	चंद्रशेखर आजादनगर (जिला अलीराजपुर)
भोजताल	भोपाल
काकनाथ	साँची (जिला रायसेन)
धारा नगरी	धार
शादियाबाद	माण्डू (जिला धार)
माण्डवगढ	माण्डू (जिला धार)
माहिष्मति	महेश्वर (जिला धार)
श्रीपुरी	सिरपुर (जिला धार)
मल्हार नगरी	इंदौर
इंद्रपुर	इंदौर
महू	डॉ. भीमराव अंबेडकर नगर (जिला धार)
उज्जैनी	उज्जैन
अवन्तिका	उज्जैन
कुंतलपुर	कायथा (जिला उज्जैन)
कपित्थ	कायथा (जिला उज्जैन)
दशपुर	मंदसौर
भेलसा/ बेंस नगर	विदिशा
गोपाचल	ग्वालियर
वत्स	ग्वालियर (बुंदेलखण्ड क्षेत्र)
नलपुर	नरवर (जिला शिवपुरी)
जेजाकभुक्ति	बुन्देलखण्ड
त्रिपुरी	तेवर (जिला जबलपुर)
दिलीप नगर	दतिया
रिवा/भथा	रीवा
गढ मंडला	मंडला
खान देश	बुरहानपुर
पांचालगढ	पचमढी (जिला होशंगाबाद)
गोण्डवाना	मण्डला
खर्जुरवाहक	खजुराहो
एरिकिण	एरण (जिला सागर)
तुडीकर	दमोह क्षेत्र
शाहजहांपुर	शाजापुर
निजामत-ए-मशरीक	सीहोर
मुडवारा	कटनी

मध्यप्रदेश के नगर व राजधानी के नाम

नगर	राजधानी के नाम
भोपाल	मध्यप्रदेश की राजधानी
इंदौर	व्यावसायिक राजधानी
इंदौर	खेल राजधानी
जबलपुर	सांस्कृतिक राजधानी
पचमढी (जिला होशंगाबाद)	पर्यटन, राजधानी
पचमढी (जिला होशंगाबाद)	ग्रीष्मकालीन राजधानी
बालाघाट	मैंगनीज राजधानी
मैहर (जिला सतना)	संगीत राजधानी
सिंगरौली	ऊर्जा राजधानी

मध्यप्रदेश के प्रमुख शासकीय भवनों के नाम

भवन का नाम	कार्यालय/निवास स्थल
मिण्टो हॉल	राज्य का पुराना विधानसभा
इंदिरा गाँधी विधानसभा भवन	राज्य का नवीन विधानसभा भवन
वल्लभ भवन	राज्य सचिवालय
सतपुडा भवन	राज्य संचालनालय
शक्ति भवन	राज्य विद्युत मण्डल
ऊर्जा भवन	मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग
पर्यावास भवन	राज्य मानवाधिकार आयोग
पुस्तक भवन	मध्यप्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम
निर्वाचन भवन	राज्य निर्वाचन भवन
श्यामला हिल्स	मुख्यमंत्री का निवास स्थल
राज्य आनंद संस्थान	शिवाजी नगर, भोपाल
मध्यप्रदेश लोकसेवा आयोग	रेसीडेंसी एरिया, इंदौर

मध्य प्रदेश के भौतिक विभाग

विभाजन

- अविभाजित मध्यप्रदेश में **9 भौतिक संभाग** थे जबकि अब तक मध्य प्रदेश में **7 भौतिक संभाग** हैं।
- मध्य प्रदेश के **सात प्राकृतिक संभाग** हैं-
  - मध्य भारत का पठार
  - बुंदेलखंड का पठार
  - मालवा का पठार
  - रीवा—पन्ना का पठार
  - नर्मदा—सोन घाटी
  - सतपुड़ा मैकाल श्रेणी
  - बघेलखंड का पठार

भौतिक विभाग और उनकी मुख्य विशेषताएँ

क्षेत्र	क्षेत्र और स्थान	जिलों	नदियाँ	फसलें	विविध
मध्य भारत का पठार	कुल क्षेत्रफल 32896 वर्ग किमी. [मध्य प्रदेश का 10.6%] है।	ग्वालियर, भिंड, शिवपुरी, श्योपुर, मुरैना, मंदसौर, नीमच।	चंबल, सिंध, पार्वती, कुंवारी	गेहूं, ज्वार, अलसी, तिल	• इसके कई हिस्से पहाड़ी और लहरदार हैं। • मिट्टी मुख्य रूप से लैटेराइट, काली है।
बुंदेलखंड क्षेत्र	यह उत्तरी अक्षांश 24-26.48 और पूर्वी देशांतर 75.5-74.1 को कवर करता है।	टीकमगढ़, दतिया, छतरपुर और शिवपुरी, ग्वालियर और भिंड की कुछ तहसीलें	बेतवा, सिंध, फ़ौज, केन, घसान	गेहूं, ज्वार, तिल	• मवेशी बड़ी संख्या में पाए जाते हैं। बुंदेलखंड की सबसे ऊँची चोटी सिद्ध बाबा चोटी है [1172 मीटर]
रीवा पन्ना पठार	कुल क्षेत्रफल 23733 वर्ग किमी. [मध्य प्रदेश का 7.71%] है।	रीवा, पन्ना, दमोह और सागर जिले की कुछ तहसीलें	टोंस, केन, सोनार, बिछिया, बिहार	गेहूं, चावल, ज्वार	• प्रमुख भूमि लाल है और लाल + काला और लाल + पीला का मिश्रण है। • हीरा मझगांव और राम खेड़िया में पाया जाता है। • सीमेंट उद्योग सतना, रीवा और कटनी में भी पाया जाता है
मालवा का पठार	कुल क्षेत्रफल 31954 वर्ग किमी. [मध्य प्रदेश का 10.36%] है।	इंदौर, उज्जैन, देवास, धार, रतलाम, रायसेन, शाजापुर, सीहोर, झाबुआ	बेतवा, चंबल, गंभीर, कालीसिंध, शिप्रा, बाम	यह काली लैटेराइट मिट्टी के साथ दक्कन ट्रैप का क्षेत्र है।	• इंदौर की कपास मिले, नागदा की कृत्रिम रेशम और विजयपुर की खाद प्रसिद्ध हैं। • सागर, छतरपुर में यूरेनियम पाया जाता है। मालवा पठार की सबसे ऊँची चोटी सिगार है [881 मीटर] • अन्य चोटियाँ जानापाव (854 मीटर) तथा धजरी (810 मीटर) है।

नर्मदा-सोन घाटी	कुल क्षेत्रफल 88272 वर्ग किमी. [मध्य प्रदेश का 28%] है।	जबलपुर, होशंगाबाद, रायसेन, खंडवा, खरगोन, मंडला।	नर्मदा, सोन	गेहूं, ज्वार, कपास	• यहाँ गहरी काली और मध्यम काली मिट्टी है। प्रमुख उद्योगों में सीमेंट, कांच, चूना पत्थर, संगमरमर आदि शामिल हैं, साल के पेड़ भी सोन घाटी में पाए जाते हैं।
सतपुड़ा-मैकाल श्रेणी	कुल क्षेत्रफल 86000 वर्ग किमी. [मध्य प्रदेश का 27.9%] है।	खंडवा, खरगोन, बैतूल, बालाघाट, अलीराजपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी।	ताप्ती, तवा, वर्धा, वैनगंगा, शक्कर	ज्वार, गेहूं, कपास	• इसमें मध्य प्रदेश की सबसे ऊँची चोटी है: धूपगढ़ 1350 मीटर। • प्रमुख खनिजों में मैंगनीज, संगमरमर, बॉक्साइट, कोयला, आदि शामिल हैं।
पूर्वी बघेलखंड पठार	इसमें 34000 वर्ग किमी. [मध्यप्रदेश का 11%] शामिल है।	जबलपुर, शहडोल, उमरिया, सीधी, कटनी, सिंगरौली			• यहाँ औसतन 125 सेमी. वर्षा होती है। उच्चभूमि प्राचीन चट्टानों, गोंडवाना चट्टानों, विन्ध्य चट्टानों, धारवाड़ चट्टानों आदि से बनी है, यहाँ कोयला, बॉक्साइट, मैंगनीज पाया जाता है।

तथ्यात्मक निष्कर्ष

छत्तीसगढ़ के अलग होने के बाद मप्र में 7 भौतिक प्रदेश हैं।

मध्य भारत का पठार

- मध्य भारत क्षेत्र के पठार में **कम वर्षा** होती है और **भिंड जिले** में सबसे कम वर्षा इसी क्षेत्र में होती है।
- औसत वर्षा 55 से.मी. से 75 से.मी. होती है।
- इस प्रदेश में प्रवाहित होने वाली नदियाँ क्षेत्र के सामान्य ढाल का अनुसरण करती हुई उत्तर व उत्तर–पूर्व की ओर प्रवाहित होती है।
- **चंबल** इस क्षेत्र की **सबसे महत्वपूर्ण नदी** है और यहाँ की सबसे प्रमुख मिट्टी **जलोढ़ मिट्टी** है।
- इस क्षेत्र में **उपोष्णकटिबंधीय वन** हैं जिनमें बबुल, खैर और शीशम हैं।
- यह पठार लगभग वनविहीन है।
- खनिज सम्पदा की दृष्टि से इस पठार में चीनी मिट्टी, चूना पत्थर तथा संगमरमर प्रमुख हैं।
- औद्योगिक विकास इस पठार में द्रुतगति से हो रहा है। भिण्ड जिले का मालनपुर, मुरैना का बामौर तथा ग्वालियर प्रमुख औद्योगिक केन्द्र हैं। कैलारस एवं डबरा चीनी मिल्स के लिए, षिवपुरी व बमौर कत्था उद्योग के लिए, ग्वालियर बिस्कुट, कृत्रिम रेषे,चीनी मिट्टी तथा चमड़ा उद्योग के लिए प्रसिद्ध है।
- ग्वालियर, शिवपुरी इस पठार के प्रमुख दर्शनीय स्थल है।
- शिवपुरी का माधव राष्ट्रीय उद्यान वनीय सघनता के लिये विख्यात है।
- इसके अतिरिक्त घाटीगाँव, करेरा व चम्बल अभयारण्य भी दर्शनीय स्थल हैं।
- रासलीला तथा रामलीला इस क्षेत्र के प्रमुख मनोरंजन के साधन हैं
- यहाँ **सहरिया जनजाति** पाई जाती है।
- **सरसों** व्यापक रूप से **गेहूं** के बाद उगाई जाती है।

बुंदेलखंड का पठार

- बुंदेलखंड का पठार **ग्रेनाइट** और **नीस की चट्टानों** से बना है।
- **स्थान**: मध्य भारत के पूर्व का पठार।
- **जिले**: दतिया, छतरपुर, पन्ना, निवाड़ी, टीकमगढ़, शिवपुरी, ग्वालियर और भिंड का एक छोटा क्षेत्र और राज्य के उत्तरी भाग के छोटे हिस्से **बुंदेलखंड के पठार** का निर्माण करते हैं।
- इसमें **महाद्वीपीय प्रकार** की जलवायु होती है और **वर्षा 75-100 सेंटीमीटर** के बीच होती है।
- **बेतवा**, **केन** और **सिंध** इस क्षेत्र की प्रमुख नदियाँ हैं
- सोनगिरी, खजुराहो तथा केन अभ्यारण (घड़ियाल के लिए प्रसिद्ध) इस पठारीय क्षेत्र के प्रमुख दर्षनीय स्थल है।

- बुन्देलखण्ड का पठार प्राचीन काल में नल–दमयन्ती से लेकर चन्देलों तक की राजनीतिक स्थली रहा है । मध्यकाल में यह क्षेत्र पर प्रसिद्ध बुन्देलों एवं राजपूतों का राज रहा ।
- काली एवं लाल मिट्टी से निर्मित सीमित वर्षा वाले इस पठार में उर्वरता की कमी है, साथ ही पठारी क्षेत्रों के कारण कृषि अनुकूलता प्राप्त नहीं है।
- इस पठार की जलवायु गर्मी में अधिक गर्म तथा ठण्डी में अधिक ठण्डी रहती है।
- खनिज की दृष्टि से इस पठार का अधिक महत्व नहीं है।
- छतरपुर मे हीरा और ग्रेनाइट पाया जाता है। औद्योगिक विकास तो इस पठार का पर्याप्त रूप से नहीं हो पाया है, फिर भी छतरपुर, दतिया तथा टीकमगढ में सीमेंट एवं बीड़ी उद्योग के कारखाने हैं ।
- यहाँ **रॉक फॉस्फेट** पाया जाता है।
- **फसलें**: इस क्षेत्र में **ज्वार**, **गेहूं** और **मसूर** की खेती की जाती है।
- **मिट्टी**: इस क्षेत्र में **मिश्रित मिट्टी** अधिक प्रचलित है।

मालवा का पठार

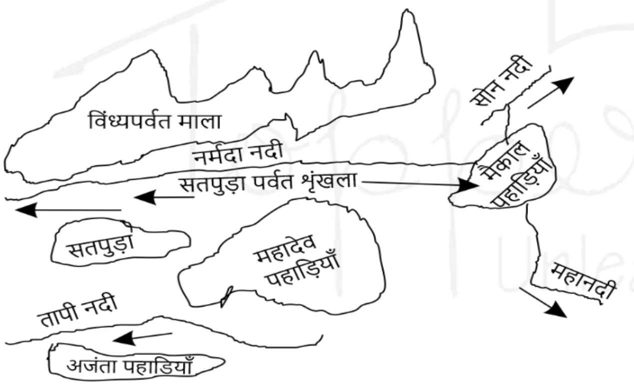

- **भौगोलिक विस्तार**: मध्य प्रदेश का संपूर्ण पश्चिमी क्षेत्र।
- पठार का निर्माण **दक्कन ट्रैप की चट्टानों** से हुआ है।
- इसकी स्थलाकृति **मैदानी उच्च भूमि** के रूप में है।
- **जलवायु**: लगभग **120-130 सेंटीमीटर की औसत वर्षा** के साथ **उष्णकटिबंधीय** मानसून प्रकार।
- ग्रीष्मकालीन औसत तापमान 40° से 42.5℃ रहता है। विदिशा जिले का गंजबसौदा सर्वाधिक तापमान वाला क्षेत्र है।
- **फसलें**: सोयाबीन, गेहूं, कपास, मूंगफली, चना और गन्ना मुख्य रूप से उगाए जाते हैं।
- यह मध्य प्रदेश के सबसे **समृद्ध क्षेत्रों** में से एक है और **इंदौर** इसी क्षेत्र में स्थित है।
- **जिले**: मंदसौर, रतलाम, शाजापुर, राजगढ़, इंदौर, **गुना**, विदिशा, रायसेन, देवास, सीहोर, भोपाल और उज्जैन।
- **प्रमुख नदियाँ**: चंबल, काली, सिंध, बेतवा, पार्वती, क्षिप्रा आदि।
- मालवा के पठार में जनसंख्या अधिक पष्चिमी मालवा का पठार राज्य का प्रमुख औद्योगिकी क्षेत्र है।
- यहाँ कृषि पर आधारित उद्योगों तथा उपभोक्ता सामग्री संबंधी उद्योग की प्रमुखता है।
- नागदा में कृत्रिम रेशे का इंदौर में सूती एवं ऊनी वस्त्रों के कारखाने तथा इलेक्ट्रॉनिक कॉम्प्लेक्स, स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स, सागर में स्टेनलैस स्टील कॉम्प्लैक्स, देवास में लेदर कॉम्प्लेक्स आदि कारखाने हैं।
- इसी पठार में भारत का डेट्राइट धार जिले का पीथमपुर है।
- पूर्वी मालवा में औद्योगीकरण अपेक्षाकृत कम हुआ है।
- मालवा में यातायात के साधनों की प्रचुरता है ।

नर्मदा सोन घाटी

- यह क्षेत्र उत्तर पूर्व से पश्चिम तक फैली **नर्मदा और सोन** नदियों द्वारा अपवाहित है।
- **जिले**: जबलपुर, नरसिंहपुर, होशंगाबाद, रायसेन, खंडवा, धार और देवास।
- **जलवायु**: यहाँ **विशिष्ट मानसून प्रकार** की जलवायु है और औसत वर्षा लगभग **125 सेंटीमीटर** होती है।
- **मिट्टी**: इस क्षेत्र में **गहरी काली मिट्टी** पाई जाती है।
- इस क्षेत्र के **प्रमुख खनिज** चूना–पत्थर, चीनी मिट्टी, संगमरमर, मैंगनीज तथा कोयला है।
- इस क्षेत्र के अधिकांश उद्योग जैसे सीमेंट उद्योग, रबर उद्योग, दियासलाई उद्योग, चीनी मिट्टी उद्योग जबलपुर में केन्द्रित है।
- इस क्षेत्र के **प्रमुख दर्शनीय** स्थलों में अमरकंटक, भेडाघाट, नेमावर, महेश्वर, मण्डलेश्वर, ओंकारेश्वर है।
- इस क्षेत्र के पश्चिमी भाग में निमाडी तथा मालवी बोली तथा पूर्व की ओर बुन्देलखण्डी बोली प्रचलित है।
- यह क्षेत्र जनजातीय सघनता के लिए विख्यात है।

रीवा पन्ना का पठार

- **जिले**: दमोह, सतना, रीवा, पन्ना और सागर इस क्षेत्र का निर्माण करते हैं।
- **जलवायु**: **महाद्वीपीय** प्रकार और वर्षा लगभग **125 सेंटीमीटर** है।
- **मिट्टी**: इस क्षेत्र में **लैटेराइट मिट्टी** प्रमुख है।
- **प्रमुख फसलें**: गेहूं, ज्वार और तिलहन।
- **प्रमुख नदियाँ**: टोंस, केन और सोन।
- औद्योगिक क्षेत्र के अन्तर्गत बैतूल में एच.एम.टी का कारखाना, छिंदवाडा में स्याही तथा पेन्ट उद्योग तथा बालाघाट में ताँबा उत्खनन संयंत्र स्थापित है।
- चूना, पत्थर, हीरा, गेरू, सिलिका तथा सीमेंट इस क्षेत्र की प्रमुख खनिज उपज हैं ।
- **पन्ना व सतना** में हीरा, **रीवा तथा सतना** में चूना–पत्थर, जिप्सम तथा सिलिका सेन्ड का भण्डार है ।

- पचमढी, असीरगढ, वाबनगजा इस क्षेत्र के **प्रमुख दर्शनीय स्थल है।**
- पेंच राष्ट्रीय उद्यान इस क्षेत्र का प्रमुख वन्य जीव संरक्षण केन्द्र है।
- इस श्रेणी के पूर्व में कोरकू तथा गोंड जनजाति पाई जाती है। जबलपुर एवं छिंदवाडा जिले में भारिया जनजाति पाई जाती है।

सतपुड़ा मैकाल श्रेणी

- यह श्रेणी **गुजरात** से शुरू होकर, पूर्व की ओर महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश की सीमाओं से होते हुए पूर्व में **छत्तीसगढ़** तक जाती है।
- **जिले**: बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, बैतूल, खंडवा और खरगोन
- **प्रमुख नदी**: तापसी
- **यहाँ पाई जाने वाली श्रेणियाँ**: राजपीपला, सतपुड़ा और मैकाल।
- **वर्षा 125 और 175 सेंटीमीटर** के बीच होती है और **जलवायु मानसूनी** प्रकार की होती है।
- सतपुड़ा मैकल श्रेणी घने जंगलों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ साल, सागौर, बाँस, तेंदूपत्ता प्रमुख वनोपज हैं।
- यहाँ पर बालाघाट तथा छिंदवाडा में मैंगनीज, बालाघाट में ताँबा, बैतूल जिले में कोयला, चूना पत्थर तथा ग्रेफाइट नामक खनिज मिलते हैं ।
- **प्रमुख फसल**: गेहूं, चावल और कपास सहित ज्वार।
- यह क्षेत्र **खनिजों से समृद्ध** है।

बघेलखंड का पठार

- **जिले:** शहडोल, उमरिया, सीधी, सिंगरौली और डिंडोरी इस क्षेत्र का गठन करते हैं।
- **प्रमुख नदी**: सोन
- **मिट्टी:** लाल-पीली मिट्टी
- यह **गोंडवाना** और **विन्ध्य रॉक** समूहों से बना है।
- छोटा नागपुर का एक भाग होने से बघेलखण्ड के पठार में कई प्रकार के खनिज पाये जाते हैं ।
- यहाँ शहडोल, उमरिया में कोयला और चूना पत्थर तथा सीधी में कोरण्डम प्रचुरता के साथ उपलब्ध है।
- मध्य प्रदेश की **ऊर्जा राजधानी सिंगरौली** इसी क्षेत्र में स्थित है और यह क्षेत्र **कोयले में समृद्ध** है।
- **कर्क रेखा** इस पठार के मध्य से होकर गुजरती है।
- **जलवायु मानसूनी** प्रकार की होती है और **वर्षा 125 से 175 सेंटीमीटर** के बीच होती है।
- बघेलखण्ड में वनीय सघनता पायी जाती है तथा साल, सागौन, बाँस, तेंदूपत्ता और कुसुम मिश्रित रूप से प्रमुख वन सम्पदा है।
- उराँव, कवार, कोल, बिरहोर, बैंगा, गोंड, पनिकाऐं बघेलखण्ड की प्रमुख जनजाति है, जो बघेलखण्डी भाषा बोलते हैं ।

मध्यप्रदेश की सबसे ऊँची चोटियाँ

- **सतपुड़ा** की सबसे ऊँची चोटी: **धूपगढ़** 1350 मीटर (पचमढ़ी, होशंगाबाद जिला)
- **बुंदेलखंड** की सबसे ऊँची चोटी: **सिद्ध बाबा** 1172 मीटर लगभग (चिरगांव, झांसी जिला)
- **विंध्याचल** की सबसे ऊँची चोटी: **जानापाव हिल्स** 854 मीटर (महू, इंदौर जिला)
- **मालवा** की सबसे ऊँची चोटी: **सिगार** 881 मीटर (इंदौर जिला)

मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्वत

भारत का हृदय मध्यप्रदेश दक्षिण के पठार का भाग है तथा इसका निर्माण पठार तथा नदी घाटियाँ में हुआ हैं। अतः यहाँ सभी हिस्सों में पर्वतीय संरचनाएँ विद्यमान है। इसका अधिकांष भाग पठारी है। फिर भी अनेक पर्वत प्रदेशों को सुषोभित करते है, जिनका निर्माण धारवाड शैल का समूह या गोडवाना शैल समूह, कडप्पा 'ैल समूह, विंध्यन शैल समूह तथा दक्कन ट्रैप के क्रमिक रूप के अपरदन से हुआ है। प्रदेश की प्रमुख पर्वत श्रृंखलाएँ निम्नलिखित हैं–

1. **विंध्याचल पर्वत –** यह प्रदेश की सर्वाधिक प्राचीन पर्वत श्रृंखला है। इसकी समुद्र तल से ऊँचाई 450 से 600 मीटर तक है। इस पर्वत श्रृंखला का निर्माण सिलिका, सेंट, क्वार्ट्ज तथा लाल बलुआ पत्थर में क्षिप्रा नदी का तथा जानापाव पहाड़ी से चम्बल नदी का उद्‌गम स्थल है। इस भाग में माण्डू, जानापाव तथा वांचू प्वाइंट दर्शनीय स्थल है। विंध्याचल के पूर्वी भाग में भाण्डेर तथा कैमूर की पहाड़ियाँ हैं। उत्तर पूर्वी मध्यप्रदेश में तो विंध्याचल को भाण्डेर पहाड़ी कहा जाता है। ये भाग नर्मदा, सोन तथा केन नदी का उद्‌गम स्थल है। विंध्याचल के मध्य भाग में विदिशा की उदयगिरी पहाड़ियाँ तथा भोपाल के पास भीम बैठिका की पहाड़ियाँ है। इस क्षेत्र की प्रमुख फसलें सोयाबीन, कपास, गेहूँ, ज्वार, मूंगफली आदि हैं । प्रदेश का पश्चिमी भाग पूर्णतः वनविहीन हो चुका है, जबकि पूर्वी भाग में सागौन, साल तेंदूपत्ता प्रमुख वनोपज हैं। खनिजों का इस क्षेत्र में लगभग अभाव है ।
2. **राजपीपला पर्वत श्रेणी –** यह पश्चिमी भाग से प्रारम्भ होरक पूर्व में बुरहानपुर दर्रे तक जाती है। राजपीपला की पहाड़ियाँ, अखरानी पहाड़ियाँ, बडवानी पहाड़ियाँ, बीजागढ़ तथा असीरगढ़ की पहाड़ियाँ इसी भाग में है।

राजपीपला की पहाडियों को नर्मदा और ताप्ती की सहायकत नदियां ने काटा है।

3. **सतपुडा पर्वत** – सतपुडा पर्वत नर्मदा नदी के दक्षिण मे विंध्याचल पर्वत के समान्तर है। यह पूर्व में अमरकंटक तथा बालाघाट से प्रारम्भ होकर गुजरात के राजपीपला तक विस्तृत है। पूर्व में अमरकंटक की पहाड़ियाँ सर्वाधिक आकर्षित भाग है, जो महादेव पर्वत का भाग मानी जाती है। यहीं धूपगढ की चोटी 1350 मी. ऊँची स्थित है। यह सामान्यतः 600 से 1000 मी. ऊँचाई तक है। इसका निर्माण ग्रेनाइट और बेसाल्ट चट्टानां से हुआ है।

4. **मैकाल पर्वत श्रेणी** – सतपुडा श्रेणी का पूर्वी भाग मैकल पठार कहलाता है। इसकी पूर्वी सीमा अर्द्धचंद्राकार है। इसकी सबसे ऊँची चोटी 1124 मी. है, अमरकंटक का पहाड़ी है।

5. **अमरकंटक पर्वत** – अमरकंटक पर्वत सतपुडा का एक अंग है, जो पूर्व की ओर छोटा नागपुर के पठार तक फैला है।

6. **अरावली पर्वत** – अरावली पर्वत श्रृखला दिल्ली, राजस्थान तथा गुजरात की प्रमुख पर्वत श्रृंखला है, परन्तु इसकी स्थिति मालवा के पठार के उत्तरी भाग में दिखाई पडती हैं। यह विश्व की सर्वाधिक प्राचीन पर्वत श्रृंखला हैं। स्पष्ट है कि राज्य के भू–भाग में अनेक पर्वत श्रृंखलाएँ है, लेकिन दक्षिणी भाग में अधिक है, जिनमें कई दर्रें और सघन वन विद्यमान है।

मध्य प्रदेश की नदी और जल निकासी प्रणाली

- मध्य प्रदेश में **अपवाह तंत्र** को मुख्य रूप से **6 प्रणालियों में विभाजित** किया गया है -
- **गंगा अपवाह तंत्र** को तीन सबसिस्टम में बाँटा गया है -
    - **यमुना** - मुख्य नदियों में चंबल, सिंध, जामनी, बेतवा, ढासाना, केन, पेसुनी, बैठन आदि शामिल हैं।
    - **टोंस** - मुख्य नदियों में बिहड़, ओडा, महान आदि शामिल हैं।
- **नर्मदा अपवाह तंत्र**
- **ताप्ती अपवाह तंत्र**
    - मुख्य नदियों में पूर्णा, गिर्णा, गोपद, आनेर, अंबोरा, बकी, बुराई, तितूर, उतावली और कालीभीत शामिल हैं।
- **गोदावरी अपवाह तंत्र**
    - वैनगंगा, बावनथडी, कन्हन, पेंच नामक पाँच उप प्रणालियाँ हैं।
- **माही अपवाह तंत्र**
- **महानदी अपवाह तंत्र**

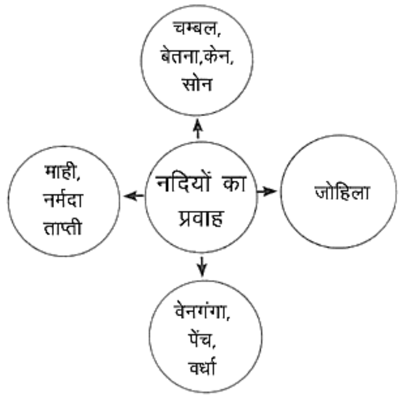

मध्य प्रदेश की नदियाँ

- किसी क्षेत्र के स**भ्यतागत, सांस्कृतिक और आर्थिक** विकास में नदियाँ महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

मध्य प्रदेश की प्रमुख नदियाँ

- नर्मदा, चंबल, सोन, ताप्ती, बेतवा, तवा सिंध, कालीसिंध, केन, पार्वती, टोंस, शिप्रा, कुंवारी आदि।

मध्य प्रदेश की अन्य नदियाँ

- कुनो, वर्धा, गार, कुंड, सातक, शिवना, बिछिया, खान, माही, स्वर्णरेखा, बिहड़, बहुती, केवती, बीना, जामनेर, बाग आदि।
- ये नदियाँ **अलग-अलग उद्गम और भौगोलिक स्थिति** के कारण अलग-अलग दिशाओं में बहती हैं।

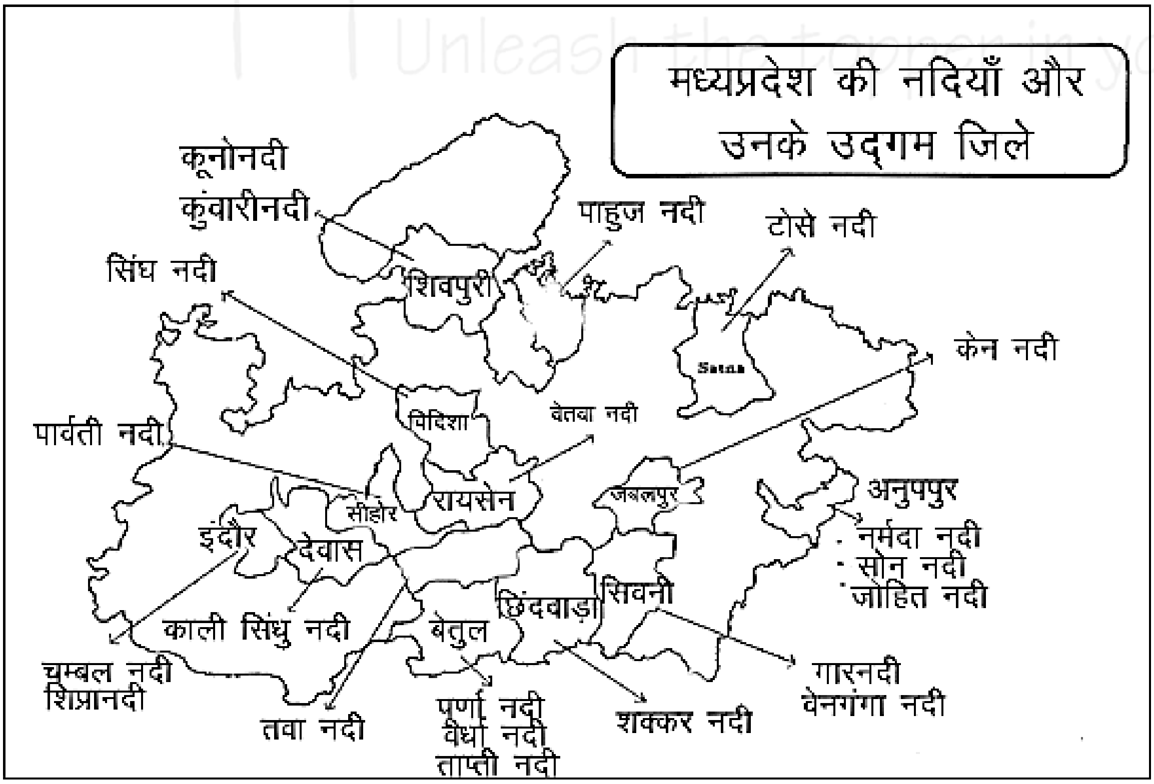

नर्मदा नदी

लम्बाई	उत्पत्ति/अंत	सहायक नदियाँ	तथ्य
लंबाई 1312 किलोमीटर **मध्य प्रदेश** में लंबाई 1077 किलोमीटर **बेसिन** मध्य प्रदेश में 86.9% गुजरात में 11.6% महाराष्ट्र में 1.5% **जलग्रहण क्षेत्र** 98796 वर्ग किलोमीटर है।	**मैकाल पहाड़ियों** में अमरकंटक अनूपपुर जिला। 15 जिलों से होकर बहती है। शहडोल, मंडला, डिंडोरी, जबलपुर, नरसिंहपुर, रायसेन, होशंगाबाद, हरदा, खंडवा, खरगोन, बड़वानी। खंभात की खाड़ी, अरब सागर में गिरती है।	**बायाँ किनारा** - बरनार, बंजार, शेर, शकर, दूधी, तवा, गजल, दोती तवा, कुंडी, देव और गोई। **दायाँ किनारा** - हिरन, टिंडोनी, बरना, चंद्रकेशर, कनार, मान, ऊटी, हथनी। तवा नर्मदा की **सबसे लंबी सहायक नदी** है।	मध्यप्रदेश की सबसे लंबी नदी भारत में पाँचवाँ सबसे लंबी अन्य नाम नामादोस (टॉलेमी द्वारा), रेवा, मेकलसुता, सोमो देवी आदि। प्रमुख झरनों में कपिलधारा, दूध धारा, धुआँधार, मंदार, दर्दी सहस्त्रधारा आदि शामिल हैं। **नदी के किनारे मुख्य शहर** - अमरकंटक, जबलपुर, होशंगाबाद, बड़वाह, महेश्वर, ओंकारेश्वर, निमाड़, बड़वानी, मंडला, मंडलेश्वर, कसरावद, नेमावर, पुनासा। **प्रमुख प्रोजेक्ट** रानी अवंतीबाई सागर बरगी परियोजना, इंदिरा गाँधी नर्मदा सागर (पुनासा बाँध), सरदार सरोवर नर्मदा (मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान) पर बने बाँध हैं।

चम्बल नदी

लम्बाई	उत्पत्ति/अंत	सहायक नदियाँ	तथ्य
कुल लंबाई 965 किलोमीटर	यह **महू** (इंदौर जिला) के पास **जानापाव** (881 मीटर ऊँचाई) **पहाड़ियों** से निकलती है। जिलें धार, उज्जैन, रतलाम, इंदौर, श्योपुर, मुरैना, भिंड **शहर** - धार, श्योपुर, महू, रतलाम, मुरैना यह इटावा (यूपी) के पास यमुना नदी में गिरता है।	शिप्रा, कालीसिंध, पार्वती, बनास	मध्य प्रदेश की **दूसरी सबसे लंबी नदी** **पौराणिक नाम** - धर्मावती/चर्मावती। यह राजस्थान के साथ मध्यप्रदेश की उत्तरी सीमा बनाती है। **प्रमुख बाँध** 1. गाँधी सागर नीमच (प्रथम जलविद्युत मध्यप्रदेश) राणा प्रताप सागर चित्तौड़गढ़, जवाहर सागर कोटा **जलप्रपात**: चूलिया जलप्रपात (मंदसौर), झड़ी दाहा, पातालपानी (इंदौर)